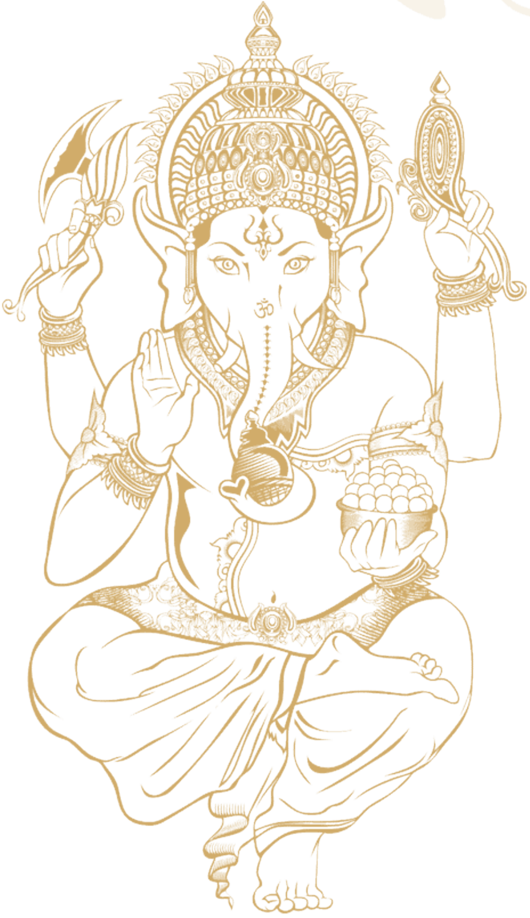

Ritesh kumar

23 Aug 2023

07:30 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121321506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/2023**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	35:34:17 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:50:16 घंटे
वेलान्तर	-00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	17:56:42 घंटे
सूर्योदय	05:16:17 घंटे
सूर्यास्त	18:08:07 घंटे
दिनमान	12:51:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:00:53 सिंह
लग्न के अंश	04:40:38 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	04:40:38	496:16:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	06:00:53	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	26:01:56	12:48:57	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	03:16:32	00:38:16	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध			सिंह	27:39:50	00:01:24	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			मेष	21:09:33	00:02:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	20:37:23	00:26:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	09:56:04	00:04:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	02:15:19	00:00:50	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	02:15:19	00:00:50	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
हर्ष			मेष	28:52:38	00:00:17	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		मीन	02:47:42	00:01:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	04:13:03	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			धनु	05:03:20	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:07

लग्न-चलित

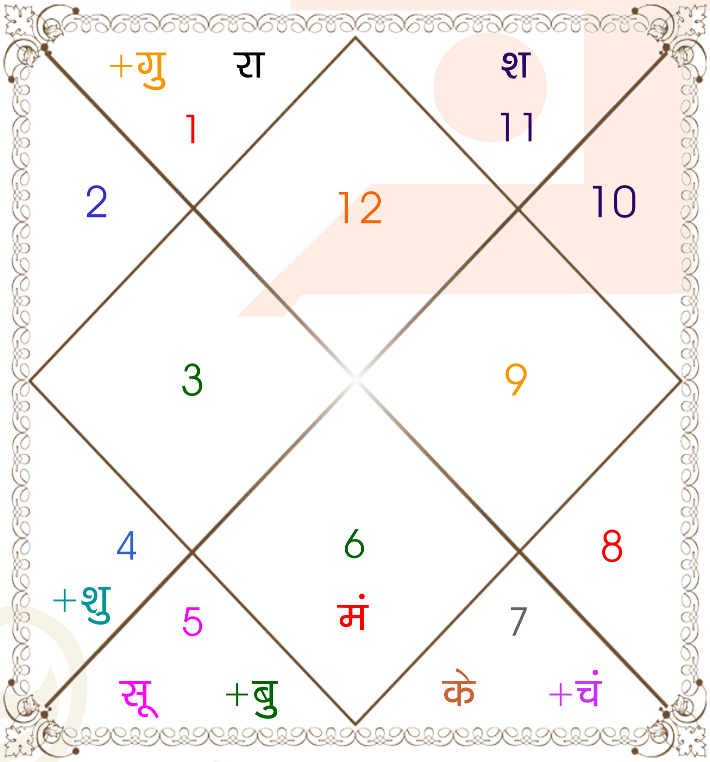

चन्द्र कुंडली

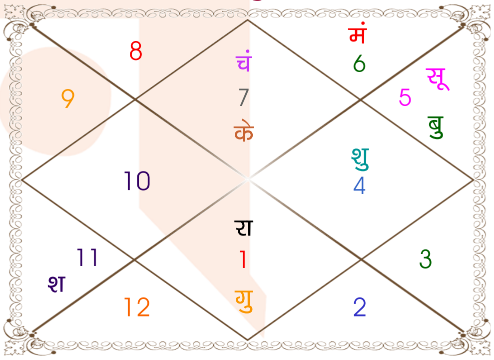

नवमांश कुंडली

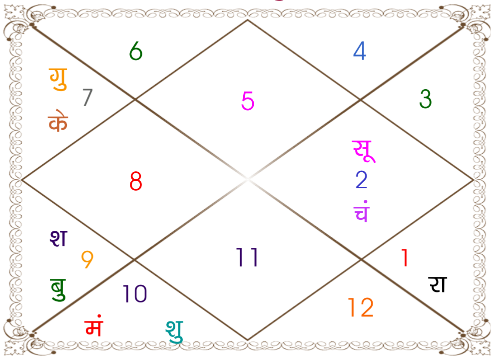

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 9 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
23/08/2023	**27/05/2032**	**28/05/2051**	**27/05/2068**	**28/05/2075**
27/05/2032	**28/05/2051**	**27/05/2068**	**28/05/2075**	**28/05/2095**
00/00/0000	शनि 31/05/2035	बुध 24/10/2053	केतु 24/10/2068	शुक्र 27/09/2078
00/00/0000	बुध 07/02/2038	केतु 21/10/2054	शुक्र 24/12/2069	सूर्य 27/09/2079
23/08/2023	केतु 19/03/2039	शुक्र 21/08/2057	सूर्य 01/05/2070	चंद्र 28/05/2081
केतु 09/04/2024	शुक्र 19/05/2042	सूर्य 27/06/2058	चंद्र 30/11/2070	मंगल 28/07/2082
शुक्र 09/12/2026	सूर्य 01/05/2043	चंद्र 27/11/2059	मंगल 28/04/2071	राहु 28/07/2085
सूर्य 27/09/2027	चंद्र 29/11/2044	मंगल 23/11/2060	राहु 15/05/2072	गुरु 28/03/2088
चंद्र 26/01/2029	मंगल 08/01/2046	राहु 12/06/2063	गुरु 21/04/2073	शनि 28/05/2091
मंगल 02/01/2030	राहु 14/11/2048	गुरु 17/09/2065	शनि 31/05/2074	बुध 28/03/2094
राहु 27/05/2032	गुरु 28/05/2051	शनि 27/05/2068	बुध 28/05/2075	केतु 28/05/2095

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
28/05/2095	**29/05/2101**	**29/05/2111**	**29/05/2118**	**28/05/2136**
29/05/2101	**29/05/2111**	**29/05/2118**	**28/05/2136**	**00/00/0000**
सूर्य 15/09/2095	चंद्र 29/03/2102	मंगल 25/10/2111	राहु 08/02/2121	गुरु 17/07/2138
चंद्र 15/03/2096	मंगल 28/10/2102	राहु 12/11/2112	गुरु 05/07/2123	शनि 27/01/2141
मंगल 21/07/2096	राहु 28/04/2104	गुरु 19/10/2113	शनि 11/05/2126	बुध 05/05/2143
राहु 15/06/2097	गुरु 28/08/2105	शनि 28/11/2114	बुध 27/11/2128	केतु 24/08/2143
गुरु 03/04/2098	शनि 29/03/2107	बुध 25/11/2115	केतु 16/12/2129	00/00/0000
शनि 16/03/2099	बुध 28/08/2108	केतु 22/04/2116	शुक्र 15/12/2132	00/00/0000
बुध 21/01/2100	केतु 29/03/2109	शुक्र 22/06/2117	सूर्य 09/11/2133	00/00/0000
केतु 28/05/2100	शुक्र 28/11/2110	सूर्य 28/10/2117	चंद्र 11/05/2135	00/00/0000
शुक्र 29/05/2101	सूर्य 29/05/2111	चंद्र 29/05/2118	मंगल 28/05/2136	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।